Integral Research
(ISSN: 3048-5991) Coden: IRABCA

Poetry
(Peer-reviewed, Open Access & Indexed Multidisciplinary Journal)
Journal home page: https://integralresearch.in/
Vol. 03, No. 04, April. 2026

जब रोशनी कैद हो जाए

अग्निज उपमन्यु

छात्र, हिंदू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

जब तंग गली में

धकेल दिया गया हो

सूरज ।

उस गली में

जो खुलती है

अंधी गुफा के मुहाने पर ।

जहां उसे

सिर्फ अंधेरे के बीच

काटनी हो सजा ,

ईमानदारी से

उजाला बांटने की ।

काली गहरी

परछाई के प्रेत ,

जहां एक पल के लिए भी

नहीं छोड़ते हों अकेला

साथ दिखते जरूर हों हमेशा

पर

Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

Integral Research
(ISSN: 3048-5991) Coden: IRABCA
Poetry
(Peer-reviewed, Open Access & Indexed Multidisciplinary Journal)
Journal home page: https://integralresearch.in/
Vol. 03, No. 04, April. 2026

अपने वर्ण और स्वभाव से

हो अंधेरे जैसे ।

तब लगातार बुझ जाने

ठंडे होने के बीच ,

आत्महत्या करने से बेहतर है,

गुफा की दीवारों से

टकराते रहना सर ।

शायद

तब शायद

बच जाए अस्तित्व

थोड़ी आग ,थोड़ी चमक , थोड़ी रोशनी

कल के लिए

पर

कुछ लोग

इससे टकराने को भी

आत्महत्या ही कहेंगे ।

Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension) This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License